This question paper contains 14 printed pages. Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper : **5525** **F**

Unique Paper Code : **241102 / 241103**

Name of Paper : **241102 – Financial Accounting (Part A)**
241103 – Financial Accounting (Part B)

Name of Course : **B.Com. (Hons.)**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Question paper is divided into two Parts. Part A is compulsory for all examinees. Part B is meant only for those who have not offered Computerized Accounts. Part A and Part B are to be answered on separate answer boooks. Attempt **all** questions. Show your working notes clearly.*

*इस प्रश्न-पत्र के दो भाग हैं। भाग A सबके लिये अनिवार्य है तथा भाग B उन परीक्षार्थियों के लिये है जिन्होंने कम्प्यूटरीकृत लेखांकन का विकल्प नहीं लिया है। भाग A तथा भाग B दोनों को पृथक उत्तर-पुस्तिकाओं में कीजिए। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी वर्किंग नोट्स स्पष्ट दर्शाएँ।*

Part A

1. State clearly what accounting principles are followed or violated in each of the following cases:

   (a) A company incurs a heavy amount of Rs.15,00,000 on publicity through T.V. and Radio. It wishes to spread the expenditure over a period of five years.

   (b) A company wishes to decrease the rate of depreciation from 15% to 10% in view of the inadequate profits in the current year.

Turn over

(c) Advance taken by Nidhi Motors from a customer is shown as income of the current year.

(d) A company commissions the making of a very special machine useful for a number of years. As the machine is very special and no resale value in the event of liquidation, it wishes to provide 100% depreciation in the current year itself.

(e) The proprietor has withdrawn some goods from the business for his personal use. It is not recorded it in the books of the firm.

(f) The life of business is assumed to be indefinite (going concern concept) yet companies prepare their accounts annually.

(g) You started a business on 1st April 2014 (financial year closes on 31st March,2015). Salaries for March 2015 were paid on 7th April 2015. Monthly salaries bill amounts to Rs.1lakh. Rs.12 lakh is shown in 2014-15 in Profit and Loss A/c. (7)

1. स्पष्ट रूप से बताइये कि निम्नलिखित दशाओं में कौनसे लेखांकन सिद्धान्तों का पालन किया गया है अथवा भंग किया गया है:

(a) एक कम्पनी ने टी०वी० तथा रेडियो के माध्यम से विज्ञापन पर रु० 15,00,000 की मोटी रकम खर्च की। वह इस खर्चे को अगले पाँच वर्षों पर फैलाना चाहती है।

(b) वर्तमान वर्ष में अपर्याप्त लाभ की स्थिति में कम्पनी मूल्यह्रास की दर 15% से घटाकर 10% करना चाहती है।

(c) निधि मोटर्स द्वारा एक ग्राहक से ली गई अग्रिम राशि को वर्तमान वर्ष की आय के रूप में दर्शाया गया है।

(d) एक कम्पनी ने अनेक वर्षों तक उपयोगी एक विशेष मशीन को स्थापित किया है। क्योंकि मशीन बहुत विशिष्ट है और परिसमापन की स्थिति में उसकी पुनर्विक्रय कीमत कुछ भी नहीं है, कम्पनी वर्तमान वर्ष में ही 100% मूल्यह्रास लगाना चाहती है।

(e) व्यापारी ने अपने निजी उपयोग के लिए कुछ सामान व्यवसाय से लिया किन्तु इसे फर्म के खातों में प्रविष्ट नहीं किया।

(f) व्यवसाय की आयु को अनन्त माना जाता है (सतत परिचालन की अवधारणा) फिर भी कम्पनियाँ अपने खाते वार्षिक आधार पर तैयार करती हैं।

(g) आपने 1 अप्रैल, 2014 को व्यवसाय आरम्भ किया (वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2015 को बंद होना था)। मार्च 2015 का वेतन 7 अप्रैल, 2015 को दिया गया। वेतन का मासिक बिल 1 लाख रुपये है तथा 2014-15 के लाभ-हानि खाते में इस मद में रु० 12 लाख दिखाया गया है। (7)

2. From the undermentioned Trial Balance of Ajit, prepare the Profit & Loss account for the year ended 31st March, 2015 and the Balance Sheet as on that date:

Particulars	Dr.(Rs.)	Cr.(Rs)
Land and Buildings	50,000	-
Purchases(Adjusted)	2,10,000	-
Stock (March 31,2015)	45,000	-
Returns	1,500	2,500
Wages	45,300	-
Salaries	39,000	-
Office Expenses	15,400	-
Carriage Inwards	1,200	-
Carriage Outwards	2,000	-
Discount	750	1,200
Bad Debts	1,200	-
Sales	-	3,85,000
Capital Account	-	1,15,000
Chhavi's Loan A/c(taken on 1-10-2014 @18% p.a.)	-	25,000
Insurance	1,500	-
Commission	-	1,500
Plant and Machinery	50,000	-
Furniture and Fixture	20,000	-
Bills Receivable	20,000	-
Sundry Debtors	40,000	-
Sundry Creditors	-	25,000
Cash at Bank	16,000	-
Office Equipment	12,000	-
Bills Payable	-	12,350
Expenses Payable	-	3,300
	5,70,850	5,70,850

The following adjustments be taken care of:

i) Depreciate Land and Building @ 6%, Plant and Machinery @10%, Office equipment @20% and furniture and fixtures @15%.

ii) Calculate provision for bad and doubtful debts at 2% on debtors.

iii) Insurance Premium includes Rs. 250 paid in advance.

iv) Provide interest on capital @ 10% p.a. and salary to Ajit Rs.15000 p.a.

(12)

OR

The following is the Receipts and Payments Account of Ahaan Ciub for the year ended 31 December, 2014 :

Receipts		Rs.	Payments		Rs
Cash in hand(1-1-2014)		15,000	Bank overdraft (1-1-2014)		31,000
Subscriptions:			Investment in securities		30,000
2013	3,000		Furniture		14,500
2014	1,62,000		Salaries		62,000
2015	1,500	1,66,500	Stationery and Printing		8,900
Income from entertainment		2,900	Misc. Expenses		14,200
Entrance fees		6,700	Balance on 31-12-2014		
Interest on Securities		4,800	Cash in Hand	5,500	
Sale proceeds of old chairs		1,200	Cash at bank	31,000	36,500
		1,97,100			1,97,100

Prepare Income and Expenditure Account of the Club for the year ended 31 December, 2014, and a Balance Sheet as at that date having due regard to the following additional information:

(i)The Club has 1,800 members, each paying an annual subscription of Rs. 100; Subscription amounting to Rs. 900 are in-arrears in respect of the year, 2013.

(ii)Stock of stationery on 31 st December, 2013 was Rs. 1,250 and at 31 st December, 2014 Rs. 870.

(iii)Entrance fees are to be capitalised.

(iv)Salary of Rs. 5,500 for December 2014 is outstanding. Expenses accruing at 31st December, 2013 amounted to Rs. 1,320. The Club has paid Rs.5,500 in the year 2013 towards telephone charges of which Rs. 1,250 relate to 2014.

(v) As on 31st December, 2013 Premises stand in the books at Rs. 2,45,000 and Investments at Rs. 65,000. Depreciate Premises and Furniture by 5 percent. (12)

2. नीचे दी गई परीक्षण तालिका के आधार पर, 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए, अजीत का लाभ-हानि खाता तथा उस दिन का तुलन-पत्र भी तैयार कीजिए:

विवरण	*Dr.* (रु०)	*Cr.* (रु०)
भूमि तथा भवन	50,000	
क्रय (समायोजित)	2,10,000	
स्टॉक (31–3–2015)	45,000	
वापसी	1,500	2,500
मज़दूरी	45,300	
वेतन	39,000	
कार्यालयी-व्यय	15,400	
आवक पर भाड़ा	1,200	
जावक पर भाड़ा	2,000	
छूट	750	1,200
डूबत देनदार	1,200	

बिक्री		3,85,000
पूँजी खाता		1,15,000
छवि का ऋण खाता (1–10–2014 को 18% ब्याज पर)		25,000
बीमा	1,500	
कमीशन		1,500
प्लांट व मशीनरी	50,000	
फर्नीचर एवं फ़िक्सचर्स	20,000	
प्राप्य विनिमय बिल	20,000	
विभिन्न देनदार	40,000	
विभिन्न लेनदार		25,000
बैंक में रोकड़	16,000	
ऑफिस उपकरण	12,000	
देय विनिमय बिल		12,350
देय खर्चे		3,300
	5,70,850	5,70,850

निम्न समायोजनों को ध्यान में रखें:—

(i) भूमि तथा भवन पर मूल्यह्रास @ 6%; प्लांट तथा मशीनरी @ 10%; ऑफिस उपकरण @20% तथा फर्नीचर व फिक्सचर पर @15% मूल्यह्रास लगाया जाएगा।

(ii) देनदारों पर 2% की दर से डूबत तथा संदिग्ध देनदारों के लिए प्रावधान बनाइए।

(iii) बीमा प्रीमियम में रु० 250 अग्रिम भुगतान है।

(iv) पूँजी पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज का प्रावधान करें तथा रु० 15,000 वार्षिक की दर से अजीत के वेतन का भी प्रावधान कीजिए। 12

अथवा

नीचे, 31 दिसम्बर, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए अहान क्लब का प्राप्ति तथा भुगतान खाता दिया गया है:—

प्राप्तियाँ	रु०	भुगतान	रु०
दस्ती रोकड़ (1–1–2014)	15,000	बैंक ओवरड्राफ्ट (1–1–2014)	31,000
अंशदान :		प्रतिभूतियों में निवेश	30,000
2013 3,000		फर्नीचर	14,500

2014 1,62,000		वेतन	62,000
2015 1,500	1,66,500	स्टेशनरी व प्रिंटिंग	8,900
मनोरंजन से आय	2,900	विभिन्न व्यय	14,200
प्रवेश शुल्क	6,700	31–12–2014 को शेष :	
प्रतिभूतियों पर ब्याज	4,800	दस्ती रोकड़ 5,500	
पुरानी कुर्सियों की बिक्री	1,200	बैंक रोकड़ 31,000	36,500
	1,97,100		1,97,100

आगे दी गई अतिरिक्त जानकारी को ध्यान में रखते हुए, 31 दिसम्बर, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए क्लब का आय तथा व्यय खाता बनाइये तथा उसी दिन उसका तुलन-पत्र भी तैयार कीजिए।

(i) क्लब के 1,800 सदस्य हैं और प्रत्येक का वार्षिक अंशदान रु० 100 है। वर्ष 2013 के लिए रु० 900 का अंशदान अभी प्राप्य है।

(ii) स्टेशनरी का स्टॉक 31 दिसम्बर, 2013 को रु० 1,250 था तथा 31 दिसम्बर, 2014 को रु० 870 था।

(iii) प्रवेश शुल्क को पूँजीकृत किया जाना है।

(iv) दिसम्बर 2014 के लिए रु० 5,500 वेतन देय है। 31 दिसम्बर, 2013 को देय खर्चे रु० 1,320 थे। वर्ष 2013 में क्लब ने टेलिफोन व्यय के लिए रु० 5,500 का भुगतान किया जिसमें रु० 1,250 वर्ष 2014 से संबंधित हैं।

(v) 31 दिसम्बर, 2013 को पुस्तकों में भवन रु० 2,45,000 तथा निवेश रु० 65,000 थे। भवन तथा फर्नीचर पर 5% मूल्यह्रास लगाइये। 12

3. Following facts have been ascertained from the records of Prateek who maintains books of accounts under the single entry system. Receipts for the year ended 31-3-2015 :

From Sundry debtors Rs.88,125; Cash sales Rs 20,625; Paid in by the proprietor Rs 12,500.

Payments made during the year ended 31-3-2015 :

New plant purchased Rs 3,125; Drawings Rs 7,500; Wages Rs 33,625; Salaries Rs 5,625; Interest paid Rs 375; Telephone Rs 625; Rent Rs 6,000; Light and Power (Direct) Rs 2,375; Sundry expenses Rs 10,625; Sundry Creditors Rs 38125. It may be noted that he banks all receipts and makes all payments only by means of cheques.

Assets and Liabilities	As at 31-3-2014	As at 31-3-2015
Sundry Creditors	12,625	12,000
Sundry Debtors	18,750	30,625
Bank	3,125	?
Stock	31,250	15,625
Plant	37,500	36,575

From the above data, prepare the Trading and Profit & Loss A/c for the year ended 31-3-2015 and Balance Sheet as on that date. (12)

OR

a) Distinguish between Hire Purchase and Instalment Purchase Systems. (4)

b) Nitin sells goods at hire purchase basis, the price being cost plus 50%. From the following details, calculate profit by preparing ledger accounts on stock and debtors system for the year ended 31 st March, 2015 :

		Rs.
April 1st 2014	Stock at shop at cost	36,000
April 1st 2014	Stock out with H.P.Customers at selling price	18,000
April 1st 2014	H.P.Debtors	10,000
March 31st 2015	Cash received from Customers	1,20,000
	Goods repossessed (Rs.4000) valued at	1,200
	H.P.Debtors at the end of the year,	18,000
	Stock at the shop at the end of the year	40,000
	Stock out with H.P. customers at selling price	60,000
	Purchases made during the year	1,20,000

(8)

3. निम्न तथ्य प्रतीक के रिकॉर्ड्स (जो अपने लेखे एकल प्रविष्टि पद्धति से तैयार करते है) से पता लगाए गए हैं। 31–3–2015 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियाँ इस प्रकार थीं:—

विभिन्न देनदारों से रु० 88,125; नगद बिक्री रु० 20,625; व्यवसाय स्वामी ने दिए रु० 12,500.

31–3–2015 को समाप्त वर्ष में भुगतान इस प्रकार थे:—

नए प्लांट का क्रय रु० 3,125; आहरण रु० 7,500; मजदूरी रु० 33,625; वेतन रु० 5,625; ब्याज दिया रु० 375; टेलीफोन रु० 625। किराया रु० 6,000; लाइट तथा पावर (प्रत्यक्ष) व्यय रु० 2,375; विभिन्न व्यय रु० 10,625; विभिन्न लेनदार रु० 38,125, यहाँ यह ध्यान रहे कि वह सभी प्राप्तियों को बैंक में जमा करते हैं तथा सभी भुगतान केवल चैक से करते हैं।

सम्पत्तियाँ तथा देयताएं	31–3–2014 (रु०)	31–3–2015 (रु०)
विभिन्न लेनदार	12,625	12,000
विभिन्न देनदार	18,750	30,625
बैंक	3,125	?
स्टॉक	31,250	15,625
प्लान्ट	37,500	36,575

उपरोक्त तथ्यों से 31–3–2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये व्यापार तथा लाभ-हानि खाता बनाइये और उसी दिन को तुलन-पत्र भी तैयार कीजिए। 12

अथवा

(a) किराया-क्रय तथा किश्त पर क्रय पद्धतियों में अन्तर्भेद कीजिए। 4

(b) नितिन, लागत जमा 50% मूल्य पर किराया-क्रय पद्धति से माल बेचता है। दिए गए विवरण से स्टॉक एण्ड डेटर्स प्रणाली के आधार पर लैजर खाते बना कर लाभ की गणना कीजिए। वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2015 को समाप्त होगा।

		रु०
1–4–2014	दुकान में लागत पर स्टॉक	36,000
1–4–2014	H.P. ग्राहकों के पास बिक्री मूल्य पर स्टॉक	18,000
1–4–2014	H.P. देनदार	10,000
31–3–2015	ग्रहकों से नगद प्राप्त	1,20,000
	जब्त माल (रु० 4,000) का मूल्यांकन	1,200
	वर्ष के अन्त में HP देनदार	18,000
	दुकान में वर्ष के अंत में स्टॉक	40,000
	H.P. ग्राहकों के पास बिक्री मूल्य पर स्टॉक	60,000
	वर्ष के दौरान की गई ख़रीद	1,20,000

8

4. a) Distinguish between a dependent branch and an independent branch. (4)

b) Vaani Ltd. has a branch at Delhi. Goods are invoiced from Head office at cost plus 33-1/3%. You are required to prepare Branch Account from following details:

	Rs.
Opening Balances:	
Debtors	10,000
Petty Cash	1,000
Furniture	2,000
Stock(I.P.)	8,000
Cash sent by Head office for Petty Expenses	2,000
Branch Expenses and Losses:	
Freight and Advertisement	5,600
Bad Debts	50
Depreciation on Furniture	80
Petty Expenses	1,500
Sales:	
Cash	50,000
Credit	36,000
Goods returned by Debtors	800
Goods returned by Branch to Head Office	2,000
Cash received from Debtors	20,000
Stock at the end at I.P.	7,800
Goods invoiced by Head Office during the year	88,000

(8)

OR

Meenakshi Stores Ltd. with their Head Office in Delhi, invoiced goods to its branch at Noida at 20% less than the list price which is cost plus 100% with instructions that cash sales were to be made at invoice price and credit sales at list price. From the following particulars, prepare Branch Stock Account, Branch Debtors Account, Branch Expenses Account, Branch Adjustment Account and Branch Profit and Loss Account for the year ended 31 st December, 2014 :

	Rs.
Branch stock on 1-1-2014 at cost to Branch	40,000
Branch Debtors on 1-1-2014	30,000
Goods received from H.O. at invoice price	3.60.000
Cash sales	90,000
Credit Sales	3,00,000
Cash received from Debtors	2,40,000
Goods in transit	40,000
Branch expenses	40,000
Bad debts	2,000
Loss of goods by Fire At Invoice price	2,400
Transfer of goods to Faridabad branch at I.P.	6,000
Pilferage at I.P.(Normal)	1,000
Remittance to Head Office	3,30,000
Insurance claim admitted against loss by fire	1,200
Branch stock on 31-12-2014 at I.P.	60,000
Branch Debtors on 31-12-2014	88,000

(12)

4. (a) आश्रित तथा स्वतंत्र शाखाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए। 4

(b) वाणी लिमिटेड की एक शाखा दिल्ली में है। प्रधान कार्यालय से माल, लागत जमा $33_{1/3}\%$ के बीजक मूल्य पर भेजा जाता है। दिए गए ब्यौरे से शाखा खाता तैयार कीजिए।

	रु०
आरम्भिक शेष :	
देनदार	10,000
फुटकर रोकड़	1,000
फर्नीचर	2,000
स्टॉक (बीजक मूल्य)	8,000
प्रधान कार्यालय द्वारा फुटकर खर्चों के लिए नगद भेजा गया	2,000
शाखा के खर्चे तथा नुकसान:	
भाड़ा तथा विज्ञापन	5,600
डूबत देनदार	50

5525

फर्नीचर पर मूल्यह्रास	80
फुटकर खर्च	1,500
बिक्री :	
नगद	50,000
उधार	36,000
देनदारों ने माल वापस किया	800
शाखा ने हैड ऑफिस को माल वापस भेजा	2,000
देनदारों से नगद प्राप्ति	20,000
अन्तिम स्टॉक बीजक मूल्य पर	7,800
प्रधान कार्यालय द्वारा भेजा गया माल	88,000

8

अथवा

मीनाक्षी स्टोर्स लिमिटेड, जिसका हैड ऑफिस दिल्ली में है, ने अपनी नोएडा स्थित शाखा को इनवॉयस पर माल भेजा। इनवॉयस मूल्य, अंकित मूल्य से 20% कम है जबकि अंकित मूल्य लागत जमा 100% है। साथ ही शाखा को निर्देश है कि नगद बिक्री इनवॉयस मूल्य पर तथा उधार बिक्री अंकित मूल्य पर ही होगी। अधोलिखित ब्योरे से शाखा स्टॉक खाता, शाखा देनदार खाता, शाखा व्यय खाता, शाखा समायोजन खाता तथा 31 दिसम्बर, 2014 को समाप्य वर्ष के लिए शाखा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए।

	रु०
शाखा की लागत पर 1-1-2014 को शाखा स्टॉक	40,000
1-1-2014 को शाखा देनदार	30,000
हैड ऑफिस से इनवॉयस मूल्य पर माल आया	3,60,000
नगद बिक्री	90,000
उधार विक्रय	3,00,000
देनदारों से नगद प्राप्त	2,40,000
मार्ग-यातायात में माल	40,000
शाखा पर खर्चे	40,000
बट्टे खाते	2,000
आग लगने से माल की क्षति (इनवॉयस मूल्य)	2,400
फरीदाबाद शाखा को I.P. पर माल अन्तरित	6,000

छुट-पुट चोरी I.P. पर (सामान्य)	1,000
हैड ऑफिस को प्रेषित धन	3,30,000
आग द्वारा क्षति के लिए स्वीकृत बीमा दावा	1,200
1–12–2014 को शाखा स्टॉक (इनवॉयस मूल्य पर)	60,000
31–12–2014 को शाखा देनदार	88,000

12

5. a) Write a short note on perpetual system of inventory valuation. (4)
   b) State the need for depreciation . Explain straight line method and diminishing balance method of depeeciation. (8)

OR

Abeer Ltd. purchased on 1st October, 2010, a machinery for Rs.4,50,000 and spent Rs.10,000 on freight and transit insurance. On 25th December, 2010, it further spent Rs 40,000 on its erection. The machinery was put to use on 1-1-2011. On 1st July 2011, it purchased another machinery for Rs. 1,00,000. During the year 2012, it spent Rs 10,000 for repairs on 1-4-2012.

However, on 1-4-2013, a part of machinery, purchased on 1-10-2010, costing Rs. 2,00,000 was sold for Rs. 1,50,000. On 1-10-2013 it purchased another machinery for Rs 3,00,000.

On 1st July, 2014, however, machinery purchased on 1st July, 2011 was sold for Rs 65,000.Depreciation was charged by firm @10% p.a. by written down value method. During the year 2014, Abeer Ltd. decided to change the method of providing depreciation and adopted the Straight Line Method of charging depreciation @10%p.a. Prepare Machinery Account as per the provisions of AS-6 upto the year ending 31-12-2014. (12)

5. (a) इनवेन्टरी मूल्यांकन की सतत पद्धति पर संक्षिप्त नोट लिखिए। 4

   (b) मूल्यह्रास की क्या आवश्यकता है? सीधी रेखा विधि तथा घटते शेष पर ह्रास विधि की व्याख्या कीजिए। 8

अथवा

अबीर लिमिटेड ने 1 अक्तूबर, 2010 को रु० 4,50,000 में एक मशीन खरीदी और उसके भाड़े व मार्ग बीमा के लिए रु० 10,000 खर्च किए तथा 25–12–2010 को उसकी स्थापना में रु० 40,000 और खर्च किए। मशीन का प्रयोग 01–01–2011 से आरम्भ हुआ। 1 जुलाई, 2011 को कम्पनी ने एक और मशीन रु० 1,00,000 में खरीदी। वर्ष 2012 में कम्पनी ने 1–4–2012 को मरम्मत पर रु० 10,000 खर्च किए।

तथापि 01–04–2013 को मशीन का एक भाग, जिसकी लागत 1–10–2010 को रु० 2,00,000 थी, रु० 1,50,000 में बेच दिया गया। 01–10–2013 को कम्पनी ने रु० 3,00,000 में एक अन्य मशीन खरीद ली।

1 जुलाई 2014 को वह मशीन, जिसे 01–07–2011 को खरीदा गया था, रु० 65,000 में बेच दी गई। ह्रास 10% वार्षिक की दर से घटते शेष विधि द्वारा लगाया जाता है। वर्ष 2014 में अबीर लि० ने ह्रास विधि में परिवर्तन करने का निर्णय लिया तथा सीधी रेखा विधि से @10% वार्षिक की दर से ह्रास लगाना तय किया। AS-6 के प्रावधानों के अनुरूप 31–12–2014 को समाप्य वर्ष तक मशीनरी खाता तैयार कीजिए। 12

PART B

1. (A) Explain the maximum loss method of piecemeal distribution of cash. (5)

(B) A, Band C, sharing profits and losses in the ratio of 5 : 3 : 2 respectively, decided to dissolve their firm on 31st March, 2015 when their Balance Sheet was as follows:

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Creditors	30,000	Sundry Assets	60,000
Bank Loan	10,000	Profit & Loss A/c	40,000
A's Capital A/c	30,000		
B's Capital A/c	20,000		
C's Capital A/c	10,000		
	1,00,000		1,00,000

The Bank had a charge on all the assets which realized Rs. 29,000 in all. B's private estate realized Rs. 6,000 and private creditors were Rs. 5,000.

C was unable to contribute anything. A paid one-third of amount due from him except that on account of other partners.
You are required to prepare the necessary ledger accounts passing all matters relating to the realization of all assets and payment of liabilities through the Realisation Account. (15)

OR

(a) Explain the accounting treatment when all the partners of a firm are insolvent? (5)

(b) Arun, Varun, Raman and Shravan are partners sharing profits in the ratio of 4 : 1 : 2 : 3 respectively. The following is their balance sheet as at 31 st March, 2015 :

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Sundry Creditors	3,00,000	Cash at Bank		1,40,000
Arun's Capital	7,00,000	Sundry Debtors	3,50,000	
Shravan Capital	3,00,000	Less: Provision for Bad Debts	50,000	3,00,000
		Stock		2,00,000
		Fixed Assets		3,10,000
		Varun's Capital		2,00,000
		Raman's Capital		1,50,000
	13,00,000			13,00,000

The firm is dissolved. Arun takes over Sundry Debtors at 80% of the book value. Stock and Fixed Assets realise Rs. 4,90,000. Raman agrees to discharge Sundry Creditors at book value. Expenses of realization come to Rs. 30,000. Varun is found insolvent and his private estate is able to pay Rs.21,000 only to the firm. The loss arising out of capital deficiency is to be borne by the partners according to the GarnerVs.Murray Prepare Realisation Account, Cash Account and the Capital Accounts of the partners. (15)

भाग ब

1. (a) नकदी का टुकड़े-टुकड़े वितरण करने के लिए अधिकतम नुकसान विधि की व्याख्या कीजिए। 5

(b) क्रमश: 5 : 3 : 2 की अनुपात में लाभ-हानि वहन करने वाले साझेदारों *A*, *B* तथा *C* ने 31–03–2015 को अपनी साझेदारी को भंग करने का निर्णय लिया। उस दिन उनका तुलन-पत्र इस प्रकार था:—

देयताएँ	रु०	सम्पत्तियाँ	रु०	
लेनदार	30,000	विभिन्न सम्पत्तियाँ	60,000	
बैंक ऋण	10,000	लाभ-हानि खाता	40,000	
A की पूँजी	30,000			
B की पूँजी	20,000			
C की पूँजी	10,000			
	1,00,000		1,00,000	

बैंक का सभी सम्पत्तियों पर प्रभार था। उन सम्पत्तियों से कुल रु० 29,000 वसूल किए जा सके। *B* की निजी सम्पत्तियों से रु० 6,000 वसूल किए गए जबकि उसके निजी लेनदार रु० 5,000 के थे। *C* कुछ भी योगदान देने में असमर्थ था। *A* ने अपने देय हिस्से (बाकी साझेदारों द्वारा देय राशि के अतिरिक्त) का एक-तिहाई भाग ही दिया।

सभी सम्पत्तियों से वसूली व सभी देयताओं का भुगतान वसूली खाते के माध्यम से करते हुए आवश्यक लैजर खाते तैयार कीजिए। 15

अथवा

(a) सभी साझेदारों के दीवालिया होने की स्थिति में फर्म के लेखांकन उपचार की व्याख्या कीजिए। 5

(b) अरुण, वरुण, रमन व श्रवण साझेदार हैं जो क्रमश: 4 : 1 : 2 : 3 के अनुपात में लाभ-हानि वहन करते हैं। 31 मार्च, 2015 को उनका तुलन-पत्र नीचे दिया गया है। 10

देयताएँ	रु०	सम्पत्तियाँ		रु०	
विभिन्न लेनदार	3,00,000	बैंक में रोकड़		1,40,000	
अरुण की पूँजी	7,00,000	विभिन्न देनदार	3,50,000		
श्रवण की पूँजी	3,00,000	घटा: बट्टे खाते का प्रावधान	50,000	3,00,000	
		स्टॉक		2,00,000	
		स्थाई सम्पत्तियाँ		3,10,000	
		वरुण की पूँजी		2,00,000	
		रमन की पूँजी		1,50,000	
	13,00,000			13,00,000	

फ़र्म को भंग कर दिया गया है। अरुण ने देनदार, उनके 80% मूल्य पर, लेने स्वीकार किए। स्टॉक तथा स्थाई सम्पत्तियों से रु० 4,90,000 वसूल हो पाए। रमन ने लेनदारों को सम मूल्य पर भुगतान करना स्वीकार किया। वसूली के खर्चे रु० 30,000 हुए। वरुण दीवालिया करार हुआ तथा उसकी निजी सम्पत्तियों से केवल फ़र्म को रु० 21,000 दिये जा सके। पूँजी के अभाव के कारण हुई क्षति को साझेदारों ने गार्नर *बनाम* मरे में प्रतिपादित नियमों के अनुसार किया।

वसूली खाता, रोकड़ खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार कीजिए। 15